

पाठ – संधि

वृद्धि संधि, यण संधि और अयादि संधि के कुछ उदाहरण दिए गए हैं। इनको अच्छी तरह याद करके कॉपी में लिखिए।

(ग) **वृद्धि संधि**—जब पहले शब्द के अंत में अ या आ हो तथा दूसरे शब्द के आरंभ में ए/ऐ अथवा ओ/औ आए, तब दोनों मिलकर ऐ और औ हो जाते हैं। इसे वृद्धि संधि कहते हैं; जैसे—

अ + ए = ऐ	लोक + एषणा = लोकैषणा	एक + एक = एकैक
आ + ए = ऐ	सदा + एव = सदैव	तथा + एव = तथैव
अ + ऐ = ऐ	मत + ऐक्य = मतैक्य	धन + ऐश्वर्य = धनैश्वर्य
आ + ऐ = ऐ	महा + ऐश्वर्य = महैश्वर्य	विद्या + ऐश्वर्य = विद्यैश्वर्य
अ + ओ = औ	परम + ओज = परमौज	परम + ओजस्वी = परमौजस्वी
आ + ओ = औ	महा + ओज = महौज	जल + ओषधि = जलौषधि
अ + औ = औ	वन + औषध = वनौषध	परम + औषध = परमौषध
आ + औ = औ	महा + औदार्य = महौदार्य	महा + औषध = महौषध

(घ) **यण संधि**—यदि पहले शब्द के अंत में इ/ई, उ/ऊ या ऋ हो और दूसरे शब्द के आरंभ में कोई अन्य स्वर हो, तो दोनों के मेल से क्रमशः य्, व् या र् हो जाता है। इसे यण संधि कहते हैं; जैसे—

इ/ई + अन्य स्वर = य्

अति + अधिक = अत्यधिक	अति + आवश्यक = अत्यावश्यक
नदी + अर्पण = नद्यर्पण	अति + अंत = अत्यंत
नदी + आगमन = नद्यागमन	अधि + एता = अध्येता

उ/ऊ + अन्य स्वर = व्

अनु + अय = अन्वय	सु + इच्छा = स्वेच्छा
अनु + इत = अन्वित	सु + आगत = स्वागत

ऋ + अन्य स्वर = र्

मातृ + आनंद = मात्रानंद	पितृ + आज्ञा = पित्राज्ञा
-------------------------	---------------------------

(ङ) अयादि संधि—यदि पहले शब्द के अंत में ए/ऐ अथवा ओ/औ और दूसरे शब्द के आरंभ में भिन्न स्वर आए, तो क्रमशः ए का अय्, ऐ का आय्, ओ का अव् तथा औ का आव् हो जाता है। इसे अयादि संधि कहते हैं; जैसे—चे + अन में ए + अ = अय = चयन।

अन्य उदाहरण—

ए + अ = अय
ऐ + अ = आय
ऐ + इ = आयि
ओ + अ = अव

ओ + इ = अवि
औ + अ = आव
औ + इ = आवि
औ + उ = आवु

ने + अन = नयन
नै + अक = नायक
गै + इका = गायिका
भो + अन = भवन
हो + अन = हवन
भो + इष्य = भविष्य
भौ + अन = भावन
नौ + इक = नाविक
भौ + उक = भावुक

शो + अन = शयन

पो + अन = पवन

पो + इत्र = पवित्र

पौ + अक = पावक